काश हमारे देश हिन्दुस्तान में ऐसा हो जाए !

यह संकलन पूर्ण गुरू श्री चन्द्र मोहन जी के विचार हैं जो पत्रिका परम सच, अन्य लेख व उनके प्रवचनों से पिछले 10 वर्षों में एकत्रित किए गए हैं, जो अब आपके सामने आपके, विचाराधीन प्रस्तुत किए जा रहे हैं ।

1. **गरीबी** :- गरीबी के मुख्य दो कारण हैं और वह है असमान आय व असमान संपत्ति ।

   <u>असमान आय को समाप्त करने के लिए :-</u>

   - **वेतन (आय) की सीमा** 5000 रुपए से 5 लाख रुपए प्रति महीना तक कर दिया जाए ।
   - **पेंशन का प्रावधान** प्रत्येक व्यक्ति जिसकी कोई आमदनी नहीं है और आयु एक सीमा से ऊपर है तो उसके लिए कम से कम 5000 रुपए प्रति महीने की हो ।
   - **बेरोजगारी भत्ता** जो व्यक्ति बेरोजगार है उन्हें कम से कम 5000 रुपए प्रति महीना मिले ।

   <u>असमान संपत्ति को समाप्त करने के लिए :-</u>

   - **घर/ दुकान /कृषि योग्य भूमि की सीमा** 25 किलोमीटर वायु दूरी में केवल एक रखने की हो ।
   - **सोने के गहनों की सीमा** स्त्रियों के लिए 200 ग्राम व पुरूषों के लिए 50 ग्राम हो ।
   - **हीरे की सीमा** स्त्रियों के लिए 5 कैरट व पुरूषों के लिए 1 कैरट हो ।
   - **कार की सीमा** 5 लोगों तक के परिवार के लिए एक हो । व्यापार के लिए अलग हो ।
   - **नकदी की सीमा** 10,000 रुपए प्रति व्यक्ति हो जो सिक्कों में उपलब्ध हो ।
   - **बैंक बैलेंस** चाहे जितना मर्जी हो जो कि समता कर के आधीन हो ।

   ऐसा होने पर प्रत्येक व्यक्ति अपनी संपत्ति का अच्छे से अच्छा प्रयोग करेगा, जो उसकी योग्यता व सामर्थ्य के अनुसार होगा । इनके लागू होने पर गरीबी बहुत हद तक समाप्त हो जाएगी ।

2. **भ्रष्टाचार** :- भ्रष्टाचार का मुख्य कारण धन का रखना, संभालना व हस्तांतरण का आसान होना है । अगर इस कार्य को मुश्किल कर दिया जाए तो भ्रष्टाचार जड़ से समाप्त हो सकता है । इसके लिए सिक्कों का चलन हो । 100 रुपए का सिक्का 10 ग्राम का हो और 10,000 रुपए से ऊपर रखने पर देशद्रोही माना जाए और उसकी सजा 10 साल काला पानी हो (दोषी को 5000 किलोमीटर तक दूर भेज दिया जाए और जहाँ उसका कोई भी अपना उसे ना मिल पाए) ।

3. **आतंक** :- आतंक के मुख्य दो कारण हैं उनमें से एक है धन का आसानी से उपलब्ध होना जिसका वर्णन ऊपर किया गया है और दूसरा कारण हथियारों का उपलब्ध होना है । हथियारो को समाप्त करने के लिए देश में एक ऐसा कानून बनाया जाए कि पुलिस और सेना के अतिरिक्त किसी व्यक्ति के पास अगर हथियार पाए जाएं तो वह देशद्रोही माना जाए और उसकी सजा मौत हो । इन दोनों प्रावधानों के लागू होने पर आतंक लगभग समाप्त हो जाएगा ।

   ऊपर लिखित 1 से 3 क्रमांक के लागू होने पर गरीबी, भ्रष्टाचार व आतंक का अंत होगा और एक आम आदमी का जीवन बहुत बेहतर होगा ।

4. **भोजन** :- हमारा भोजन शुद्ध, पौष्टिक, साफ व भरपेट होना चाहिए । हमारे भोजन की गुणवत्ता किसी स्थान के जल, वायु व जलवायु पर बहुत हद तक निर्भर करती है । इसके लिए हमें जल व वायु प्रदूषण का बहिष्कार करना चाहिए और इससे संबंधित जो कार्य भी हम कर पाएं वह अवश्य ही करें, जिससे जलवायु का संरक्षण हो सके और हमारा भोजन बेहतर हो । रसायनिक उर्वरक का प्रयोग वर्जित हो ।
5. **वस्त्र** :- देश के प्रत्येक नागरिक को कम-से-कम मौसम के अनुसार दो जोड़े कपड़े अवश्य उपलब्ध कराए जाएं । अगर किसी के पास नहीं है तो उसे समता कर के आधीन उपलब्ध कराया जाए । हर गांव में कम से कम एक ऐसी दुकान हो जहां पर यह कपड़े मुफ्त में उपलब्ध हो ।
6. **आवास** :- देश के प्रत्येक नागरिक को एक कमरा प्रति व्यक्ति उपलब्ध हो । जब तक यह व्यवस्था नहीं बनती तब तक जिनके पास घर नहीं है उनके लिए स्कूल व सरकारी कार्यालयों को रात के लिए प्रयोग किया जाए । प्रत्येक गांव में समता कर के अंतर्गत 50 से 100 घर बनाए जाएं और जिनके पास घर नहीं है उन्हें मुफ्त दिया जाए । इसके साथ-साथ प्रत्येक गांव में घरेलू उधोग / कॉटेज इंडस्ट्रीज लगाए जाएं जिससे उन्हें रोजगार के अवसर भी मिले ।
7. **शिक्षा और स्वास्थ सेवाएं** :- प्रत्येक नागरिक को शिक्षा एक समान व साधन सहित मुफ्त मिले ।
8. **मुफ्त एक समय के भोजन के लिए** :- महिलाओ व बेरोजगार युवको को शहरो में 3000 रुपये और गावों में 2000 रूपये प्रति मास दिया जाये ।
9. **सुरक्षा** :- पेंशन व बेरोजगारी भत्ता कम से कम 5000 रुपए महीना हो जिसका वर्णन ऊपर गरीबी के अंतर्गत किया गया है । पुलिस के सुधार होने पर, पुलिस जनता व देश के लिए कार्य करेगी, सिक्के चलने पर भ्रष्टाचार करने के अवसर समाप्त से हो जाएंगे, इस प्रकार एक आम आदमी की सुरक्षा मजबूत होगी ।
10. **जल** :- पीने के लिए नदियों का जल प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध हो जिससे उसका स्वास्थ बेहतर हो सके । इसके लिए समता कर के आधीन गोल्डन ट्रायंगल स्कीम (नदियों को मिलाना), नदियों के साथ-साथ सभी जल स्त्रोत की देखभाल की जाए और जल मुफ्त मिले को लागू किया जाए जिससे प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ बेहतर हो सके ।
11. **बिजली** :- प्रत्येक परिवार को एक बल्ब, एक पंखा व एक फ्रिज के लिए बिजली मुफ्त मिले । कार्यालयों व दुकानों के लिए बिजली दर बढ़ाई जाए क्योंकि उन पर करों का भार समाप्त हो जाएगा ।
12. **ट्रांसपोर्ट** :- ट्रांसपोर्ट के लिए 5 किलोमीटर तक साईकिल का चलन हो । बैटरी व बिजली से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहन मिले जिससे प्रदूषण में कमी आए व स्वास्थ में बेहतरी हो ।

ऊपर लिखित क्रमांक 4 से 12 में जो भी एक व्यक्ति के लिए रोजमर्रा के जीवन मैं जिन चीजों की आवश्यकता होती है वह बहुत ही आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती हैं । भोजन की कीमत में कमी व गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी, कपड़े की आवश्यकता इतनी नहीं होती अगर कमी है तो उसे

समता कर के आधीन उपलब्ध कराया जा सकता है । प्रत्येक गांव में 50 से 100 घर बनने पर प्रत्येक परिवार को मुफ्त घर उपलब्ध हो पाएगा । पढ़ाई, दवाई, पानी व बिजली मुफ्त, सुरक्षा (पेंशन की व्यवस्था होने पर) उपलब्ध होने पर व साईकिल के चलन से एक आम आदमी का जीवन बहुत ही बेहतर होगा और खर्च में भारी कमी आएगी ।

13. **विधार्थी** :- विधार्थी के लिए जिन साधनों की आवश्यकता है जैसे कॉपी -किताब इत्यादि वह उसे मुफ्त मिले । दोपहर के भोजन की व्यवस्था हो । स्कूल / कॉलेज में ड्रेस की भी व्यवस्था मुफ्त हो । जिन विधार्थीयों ने अपनी पढ़ाई देश के अंदर करने के लिए ऋण /लोन लिए हैं उन्हें माफ़ कर दिया जाए । जिन विधार्थियों ने शिक्षा विदेशो में प्राप्त करने के लिए ऋण /लोन लिए हैं उन्हें 0.01% सालाना ब्याज पर कर दिया जाए ।
14. **किसान** :- किसान इस देश हिन्दुस्तान के शरीर में रीढ की हड्डी के समान है जिसका वर्णन निम्नलिखित है :-

किसान के तीन वर्ग हैं - पहाड़ी किसान, मैदानी किसान व समुद्री किसान । यह तीनों किसान आपस में जुड़े हुए हैं । आज मैदानी भूमि जहरीली होती जा रही है क्योंकि इसका इलाज /उपचार अंग्रेजी खाद यूरिया /डाई आदि से हो रहा है । यहां की भूमि में केमिकल पड रहे हैं । मैदान की फसल केमिकल से बर्बाद हो रही है, बीमार हो रही है । मैदान की मिट्टी बरसात के मौसम में नदियों के माध्यम से बहकर समुद्र में जाती है । जब यह मैदानी खेतों की जहरीली मिट्टी समुद्र में जाती है आसपास के समुद्री किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है । समुद्री किसानों की फसल मछली, केकड़ा, झींगा, मसाले व नारियल इत्यादि है । जब समुद्री किसान की फसल बर्बाद हो जाती है तो फिर उन्हें अपने जीवन यापन के लिए समुद्र में दूर दूर जाना पड़ता है । जिस कारण कभी उन्हें बांग्लादेश पकड़ लेता है, कभी श्रीलंका पकड़ लेता है तो कभी पाकिस्तान पकड़ लेता है । हमारे मछुआरे समुद्री किसान पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका की जेलों में बंद पड़े हैं । कुछ किसान तो जेलों में ही मार दिए जाते हैं, कुछ मर जाते हैं और कुछ किसान सुनामी तूफानों में मर जाते हैं ।

मैदानी खेतों से केमिकल कैसे खत्म हो ? पहाड़ों की मिट्टी औषधि है । पहाड़ों में जड़ी बूटियों का भंडार है । मैदानी खेतों के लिए पहाड़ी मिट्टी प्राकृतिक उपचार है । आज पहाड़ों में सभी ने खेती करना छोड़ दिया है इसलिए वहां की भूमि में कटीली झाड़ियां पैदा हो गई है । वह कटीली झाड़ियां वहां की मिट्टी को जकड़े रहती हैं । बरसात में वहां की मिट्टी मैदानी खेतों तक नहीं आ पाती । इसलिए मैदान की भूमि में केमिकल का असर ज्यों का त्यों रहता है । अगर पहाड़ों का किसान खेती करना शुरू कर दे तो वहां की मिट्टी बहकर मैदानी खेतों तक पहुंच जाएगी जो मैदानी भूमि में ओषधि का काम करेगी ।

पहाड़ों के किसान ने खेती करना इसलिए छोड़ दिया है क्योंकि इनके छोटे छोटे खेत अलग-अलग तथा दूर-दूर है । मैदानी जमीन का इलाज केवल पहाड़ी मिटटी ही कर सकती है इसका कोई दूसरा इलाज नहीं है । मैदानी जमीन अंग्रेजी खाद् और केमिकल के कारण बीमार हो गई है । जिस कारण आज मनुष्य भी भयंकर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं । बीमार मिट्टी हमें बीमार अनाज, सब्जी, आहार दे रही है ।

इसलिए श्री कृष्ण भगवान के पीछे उनके भाई हर समय किसान के रूप में हल लेकर रहते थे । । हमारा देश कृषि प्रधान देश है और आज हम कृषि के प्रति ही लापरवाह हो रहे हैं । किसान देश की रीढ की हड्डी है, मजदूर देश के हाथ और पैर हैं, कर्मचारी आंख और कान हैं, वैश्य पेट है, विधार्थी दिमाग है और इस तरह यह हिन्दुस्तान का पूरा शरीर है ।

तीनों प्रकार के हिन्दुस्तान के किसानों की समस्याओं का समाधान हो सकता है यदि सरकार :-

1. किसानों को उन की फसल खरीद की गारंटी दे ।
2. समय पर उचित मूल्य की गारंटी दे ।
3. फसल का नुकसान होने पर उचित मुआवजे की गारंटी दे ।
4. किसानों के सारे ऋण /लोन माफ कर दिए जाएं ।
5. नए ऋण /लोन 0.01 प्रतिशत सालाना ब्याज पर आसानी से उपलब्ध हो ।

   इससे लोगों का रुझान कृषि की तरफ बढ़ेगा । किसान अपने खेतों में कृषि करना शुरू करेगा । पहाड़ी खेतों की मिट्टी से मैदानी खेतों की मिट्टी का उपचार होगा । समुद्र के किसान की फसल नष्ट होने से बच जाएगी ।

   इससे दिल्ली जैसे शहरों की जनसंख्या वृद्धि की समस्या समाप्त हो जाएगी क्योंकि दिल्ली जैसे शहरों में आधे से ज्यादा जनसंख्या गांव की है । जब फसल का समय पर उचित मूल्य नहीं मिलता तो किसान अपने बच्चों के भविष्य के लिए शहरों में जाते हैं । यह तीन गारंटी मिल जाए तो शहरों में बिजली पानी की समस्या समाप्त हो जाएगी । शहर सुंदर और रहने लायक हो जाएंगे । युवाओं का रुझान कृषि की तरफ बढ़ेगा । देश खुशहाल होगा ।

   गुड़ के उत्पादन के लिए किसान मिलकर गाँव में कोहलू लगाएं । चीनी को वाइट पाइजन (सफ़ेद जहर) भी कहा जाता है क्योंकि इस में कार्बोहाइड्रेट्स होता है, जिससे कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं । जबकि गुड़ स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है क्योंकि इसमें क्षार होता है जिससे पाचन शक्ति बेहतर होती है । इसमें आयरन, सुक्रोज, ग्लूकोस व विटामिन भी पाए जाते हैं जो शरीर के लिए लाभप्रद होते हैं । चीनी बनाना एक महंगा काम है और किसानो को चीनी मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि उन की फसल की कीमत छह महीनों तक भी नहीं मिल पाती । गुड बनाने से किसान की वित्तीय हालत बेहतर होगी ।

किसान की खुशहाली के लिए निम्नलिखित कार्य किए जाएं :-

1. पहाड़ों पर खेती सहकारिता में युद्ध स्तर पर हो ।
2. मैदानी इलाकों में जो कदम (स्टेप्स) ऊपर दिए गए हैं लागू हो ।
3. पहाड़ी खेती को ठीक से करने पर पहाड़ी मिट्टी मैदानों में आनी आरंभ हो जाएगी जिससे मैदानी खेती ठीक होगी । जैविक खाद के प्रयोग से जो केमिकल समुद्र में जाते हैं वह जाने बंद हो जाएंगे और जिससे अपने आप समुद्री खेती भी ठीक हो जाएगी । इन सबके लागू होने पर पहाड़ी खेती, मैदानी खेती व समुद्री खेती बेहतर होगी और उपज की लागत में भारी कमी आएगी और गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी होगी । यह सब कुछ करने पर वह दिन दूर नहीं होगा जब देश में यह नारा गूंजेगा :- **"जय किसान, जय किसान"**
4. इसके अतिरिक्त किसान की खुशहाली के लिए निम्नलिखित कार्य और करने चाहिए :-
    1. प्रत्येक 25 बीघा जमीन पर 5 बीघा जमीन पर पशुपालन अनिवार्य हो ।
    2. शहरों के चारों ओर 5 किलोमीटर तक सब्जियां, फिर 5 किलोमीटर तक फल व फिर अनाज व दालें इत्यादि की खेती हो ।
    3. हिन्दुस्तानी गाय के संरक्षण के लिए 1000 रुपए प्रति मास सरकार की ओर से दिया जाए क्योंकि यह परमात्मा का बनाया हुआ मेडिकल स्टोर है ।
    4. प्रत्येक गांव में कम से कम एक तालाब बनाया जाए जिससे पानी की पूर्ति की जा सके । तालाब से जो मिट्टी निकले उससे ईटें बनाई जाए और इन ईटों से प्रत्येक गांव में 50 से 100 घर बने ।
    5. देश में प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसे पाले, बच्चों की तरह, बच्चों के लिए और स्वयं के लिए । जिससे किसान की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और इससे जो इमारती लकडी पैदा होगी उससे घर बनाने में सहायता होगी । जलाने वाली लकड़ी से ईटे पकाई जाए । खेतों के चारों ओर पेड़ लगाए जाएं और यह कार्य इस प्रकार है कि इससे प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी, जिससे एक सामान्य व्यक्ति का स्वास्थ बेहतर होगा ।
5. केमिकल खाद के स्थान पर जैविक खाद बनाने के लिए प्रत्येक शहर की प्रत्येक कॉलोनी व गाँवो में खाद बनाई जाए जिससे केमिकल खाद की आवश्यकता ही समाप्त हो जाए । जैविक खाद के प्रयोग से पेस्टीसाइड व इंसेक्टिसाइड की खपत में भी भारी कमी आएगी ।

    जैविक खाद बनाने के लिए केवल दिल्ली शहर में प्रत्येक दिन लगभग 5000 टन कूड़ा जो फलों व सब्जियों का प्रयोग किया जा सकता है। उससे जैविक खाद बनाई जा सकती है । प्रत्येक कॉलोनी में आधा एकड से एक एकड़ बेकार भूमि (वेस्टलैंड) का प्लॉट आसानी से उपलब्ध हो सकता है और यह कूड़ा खड्डे खोद कर इकट्ठा किया जाए और इसकी खाद बनाई जा सकती है । इससे दिल्ली जैसी जगह में लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा और

खाद के साथ साथ गैस का भी प्रबंध हो सकता है । इससे लगभग 1000 टन खाद प्रतिदिन बनाया जा सकता है । यह खाद सीधा खेतों में भेजा जा सकता है और यह व्यवस्था पूरे देश में लागू की जा सकती है और कुछ ही सालों में केमिकल खाद की आवश्यकता पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी ।

15. **मजदूर** :- मजदूर को खुशहाल करने के लिए साईकिल का चलन हो । उससे उनके लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे । मिट्टी के बर्तनों का चलन हो जिससे बहुत अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे । एलुमिनियम के कूकर में पकाया भोजन जहर के समान हो जाता है । इसलिए हमें मिट्टी के बर्तन व मिट्टी के कूकर बनाने और प्रयोग करने चाहिए । इससे खनिज सीधा शरीर में प्रवेश करते हैं, जो शरीर के लिए लाभदायक होते हैं ।
16. **कर्मचारी** :- प्रत्येक कर्मचारी के लिए सप्ताह में 28 कार्य घंटे (ड्यूटी) हो और सातों दिन कार्य हो । इससे बेरोजगारी की समस्या बहुत हद तक समाप्त होगी । जो कर्मचारी आज चिंताओं/टेंशन/ डिप्रेशन से परेशान हैं उन्हें राहत मिलेगी । एक समाचार जो इकनॉमिक टाइम्स में नवंबर 2015 में प्रकाशित हुआ , उसमें दिया गया था कि जो कर्मचारी आज बड़े-बड़े पद के ऊपर हैं पिछले साल में उनमें से 2000 कर्मचारी ऐसे थे जिनके मन में यह विचार आया कि वह आत्महत्या कर लें। कर्मचारी जो देश के आंख ओर कान है अगर उनके मन में यह विचार आता है तो वह देश कैसे प्रगति कर सकता है ? जितने भी कर्मचारियों के 2 लाख रूपए तक के ऋण / लोन हैं वह माफ कर दिए जाएं ।
17. **व्यापारी**:- आज देश में कर बहुत अधिक व करों की दर बहुत अधिक है और व्यापारियों के पास करों की चोरी के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं है । इसलिए व्यापारी के लिए केवल तीन कर हो और वह भी अनुपातिक (अनुपातिक कर नए व्यापारियों के लिए वरदान साबित होगा) । किसी भी कर की अधिकतम दर 10 प्रतिशत हो । जितने भी व्यापारियों के 2 लाख रूपए तक के ऋण / लोन हैं वह माफ कर दिए जाएं ।

18. **काश ऐसा हो जाए के लिए** निम्नलिखित सुधार कर दिए जाएं और वह है:-
    1. आयकर समाप्त हो ।
    2. प्रत्येक व्यक्ति को 0.01 प्रतिशत सालाना ब्याज पर ऋण /लोन आसानी से उपलब्ध हो और वह भी एक महीने के अंदर ।
    3. देश में केवल तीन कर हो और वह है:- उत्पाद शुल्क, बिक्री कर , सेवा कर (एक्साइज , सेल्स टेक्स, सर्विस टैक्स) और अधिकतम दर 10% हो । इसके अतिरिक्त देश में कोई भी कर किसी भी प्रकार का ना हो ।
    4. आय की सीमा हो ।
    5. संपत्ति की सीमा हो ।

6. बैंक बैलेंस पर समता कर लगे । यह कर ऐसा कर है जो चमत्कारी है और पूरे विश्व में अभी तक नहीं लगा । जो देश इस कर को लगाएगा वह देश दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करने की बजाए, दिन दूनी रात सौ गुनी उन्नति करेगा ।
7. पुलिस के सुधार हो जिससे उनका जीवन बेहतर हो सके ।
8. न्यायिक सुधार हो जिससे समय बद्ध न्याय हो सके । और
9. राजनीतिक सुधार हो जिससे राजनीति में केवल वह लोग आ पाए जो वास्तव में देश की सेवा करना चाहते हैं ।

नोट :जिस दिन भी यह सब कुछ लागू हो गया उसके एक साल के अंदर-अंदर एक रुपया एक डालर के बराबर होगा और 10 सालों में एक रूपया 100 डालर के बराबर होगा ।

इनके लागू होने पर सरकार के पास कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी

जिस दिन ऐसा हो गया इस देश को स्वर्ग बनने से कोई नहीं रोक पाएगा ।

श्री परमधाम, मेरठ